Committee on Information Technology on 'Setting up of Post Bank of India as a Payments Bank -Scope, Objectives and Frameworks', pertaining to the Department of Posts, Ministry of Communications.

MATTERS RAISED WITH PERMISSION

MR. CHAIRMAN: Hon. Members, I have received notice from Shri Ripun Bora and Shri Sanjay Singh. The same matter was discussed yesterday and I have disallowed it.

SHRI RIPON BORA: Sir, I have...

MR. CHAIRMAN: Not now.

SHRI RIPON BORA: Sir, it is a serious matter.

MR. CHAIRMAN: Not now. If you are going to argue like this with me, I will not give a chance to you, Mr. Bora. Now, Dr. Satyanarayan Jatia.

SHRI RIPON BORA: *

MR. CHAIRMAN: It is not going on record. ...*(Interruptions)*... You are going to hurt the interest of the Members in Zero Hour. ...*(Interruptions)*... Don't you want Zero Hour? ...*(Interruptions)*... Okay, I leave it to you. Members should tell me if they want Zero Hour or not. I would like to ask the House. ...*(Interruptions)*...

SHRI RIPON BORA: *

MR. CHAIRMAN: It is not going on record.

Need for effective security measures to prevent accidents

डा. सत्यनारायण जटिया (मध्य प्रदेश): माननीय सभापति जी, जिस तरह से आपदाएँ होती हैं, जिस प्रकार से दुर्घटनाएँ होती हैं, उन दुर्घटनाओं से बचाव की दृष्टि से बातचीत करने के लिए, उसमें उपाय करने के लिए मैं सरकार और सदन का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूँ। ...**(व्यवधान)**... जब दुर्घटना हो जाती है, तो उसके परिणाम बड़े भयावह होते हैं, जन-धन की भारी क्षति होती है और ...**(व्यवधान)**... सरकार लोगों को राहत देने का काम करती है, परन्तु सरकार द्वारा राहत देते समय जो तत्काल सहायता मिलनी चाहिए और उसके लिए जो सावधानी बरतनी चाहिए, उसके उपाय करने की आवश्यकता है। ...**(व्यवधान)**... शासन और प्रशासन के भरोसे रह कर इन सारी बातों के लिए उपाय करना मुश्किल होता है।

---

*Not recorded

इसलिए आपके माध्यम से सरकार से मेरा ऐसा आग्रह है कि प्रशासन के साथ-साथ जो सामाजिक संगठनों में काम करने वाले लोग हैं, वे ऐसे हादसों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं और इस प्रकार की आपदाओं में मदद करने का काम कर सकते हैं। ...**(व्यवधान)**... प्राकृतिक आपदाओं के बारे में तो हमें पहले से पता लग जाता है, परन्तु मानवीय और यांत्रिक आपदाओं के बारे में पता नहीं लगता है। ...**(व्यवधान)**... इसलिए सरकार इन सारी बातों के ऊपर ध्यान देकर इनसे बचाव के उपाय करे। सरकार इस सम्बन्ध में नीति और कार्यक्रम बनाए तथा उसके बाद उसका निरीक्षण करने का काम करे। ...**(व्यवधान)**...

SHRI RIPON BORA: Sir, since you have not allowed me to speak, I walk out in protest.

(At this stage the hon. Member left the Chamber)

डा. सत्यनारायण जटिया : अभी दिल्ली में बिजली, से हादसा हो गया था, ऐसे हादसे होते रहते हैं। इस प्रकर के हादसों के बाद जो राहत के काम हैं, इस प्रकार से जो परिस्थितियां बनी हुई हैं, उनका निरीक्षण करके वह उनको दूर करने का काम करे।

सर, आपने मुझे जो समय दिया, इसके लिए मैं आपको धन्यवाद देता हूं और उम्मीद करता हूं कि सरकार इन हादसों से बचाव के लिए पर्याप्त उपाय करेगी। धन्यवाद।

श्री रणविजय सिंह जूदेव (छत्तीसगढ़) : महोदय, मैं स्वयं को माननीय सदस्य द्वारा उठाए गए विषय के साथ सम्बद्ध करता हूं।

श्रीमती कान्ता कर्दम (उत्तर प्रदेश) : महोदय, मैं भी स्वयं को माननीय सदस्य द्वारा उठाए गए विषय के साथ सम्बद्ध करती हूं।

The FSSAI Report on increasing number of non-conforming licensed food products

DR. NARENDRA JADHAV (Nominated): Sir, the Food Safety and Standards Authority of India (FSSAI) is the body that sets the globally benchmarked standards of food and ensures that these standards are followed by the food business and industry so that citizens consume safe products. The FSSAI has reported that in 2018-19, out of the 1,06,459 samples of licensed food products analysed, as many as 29 per cent were found to be non-conforming to the safety standards (3.7 per cent samples were unsafe, 15.8 per cent samples were sub-standards, and nine per cent had labelling defects). The Authority has also indicated that several States have not been able to put in place full-time officers for food safety and do not have proper food testing laboratories. This issue is of grave importance as it poses a serious threat to public health and the 31 food borne hazards which have been